JSL
JINDAL STAINLESS

जिंदल स्टेनलेस हिसार को बेहतर एबिटा की उम्मीद

अदिति दिवेकर
मुंबई, 28 जनवरी

नई सूचीबद्ध जिंदल स्टेनलेस (हिसार) का लक्ष्य साल 2015-16 में 12 फीसदी एबिटा मार्जिन हासिल करने का है और इसके लिए कंपनी मजबूत मार्जिन वाले वैल्यू ऐडेड उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी अंकुर अग्रवाल ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, जमीन से घिरे (लैंड लॉक्ड) होने के चलते हिसार संयंत्र की लॉजिस्टिक लागत काफी ज्यादा है, ऐसे में इस लागत को कम करने के लिए कोल्ड रोल्ड वैल्यू ऐडेड उत्पादों पर जोर है।

मौजूदा वित्त वर्ष पहली छमाही में जिंदल स्टेनलेस हिसार ने 12 फीसदी मार्जिन हासिल किया, जो वित्त वर्ष 2015 की पूरी अवधि के करीब 9.6 फीसदी के मुकाबले ज्यादा है, लेकिन वित्त वर्ष 2011 के 16 फीसदी मार्जिन के मुकाबले कम है। अग्रवाल आज यहां सूचीबद्धता की खातिर एक्सचेंज में बेल बजाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। आज से जिंदल स्टेनलेस हिसार की ट्रेडिंग एनएसई व बीएसई में शुरू हो गई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 37 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील देसी बाजार में कुल स्टेनलेस स्टील की खपत में करीब 80 फीसदी की भागीदारी करता है।

सूचीबद्ध हुई जेएसएचएल

मुंबई @ पत्रिका. जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध हो गई। कंपनी के उपाध्यक्ष अभ्युदय जिंदल ने एनएसई की परंपरा के अनुसार, घंटी बजाकर इसे सूचीबद्ध किया। दो रुपए अंकित मूल्य वाले 231185445 शेयरों के साथ कंपनी सूचीबद्ध हुई है, जिससे इसकी चुकता पूंजी 46 करोड़ 23 लाख 70 हजार 890 रुपए हो गई है। पहले दिन कंपनी के शेयर के बाजार भाव 37.05 रुपए रहे। जिंदल ने कंपनी के सूचीबद्ध होने के मौके पर कहा कि जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है।

जिंदल स्टेनलैस करेगी 150 करोड़ का निवेश

मुम्बई, 28 जनवरी (एजेंसी): इस्पात निर्माता जिंदल स्टेनलैस (हिसार) लि. का शेयर बी.एस.ई. और एन.एस.ई. में सूचीबद्ध हुआ। कम्पनी ने कहा है कि वह कोल्ड-रोल्ड कॉयल उत्पाद क्षमता के विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

कम्पनी के उप-चेयरमैन अभ्युदय जिंदल ने शेयर के सूचीबद्ध होने के अवसर पर यहां बाजार में पारंपरिक घंटा बजाया। उन्होंने कहा कि अपनी स्थापना से लेकर अब तक जिंदल स्टेनलैस (जे.एस.एच.एल.) बेहतरीन वित्तीय एवं परिचालनात्मक प्रदर्शन कर रही है। हालांकि घरेलू उद्योग क्षमता का पूरा इस्तेमाल न होने की समस्या से प्रभावित हैं, इसके विपरीत कम्पनी अपनी क्षमता से 90 प्रतिशत अधिक के स्तर पर परिचालन कर रही है।

नवोदय टाईम्स Fri, 29 January 201
epaper.navodayatimes

Jindal Stainless Hisar debuts on bourses, to invest ₹150 crore on expansion

MUMBAI, JAN 28

STEELMAKER Jindal Stainless (Hisar) Ltd, which lists on BSE and NSE today, said it plans to invest Rs 150 crore in expansion of its cold-rolled coil capacity.

JSHL Vice-Chairman Abhyuday Jindal rang the bell to mark the listing and trading of shares.

"Since its inception, Jindal Stainless (H) is sustaining an impeccable financial and operational performance," Jindal told reporters here.

"Although domestic industry is plagued with undercapacity utilisation of around 50 per cent... JSHL is operating at over 90 per cent of its capacity," he said.

According to Jindal, over the next 2-3 years, the company would be enhancing the cold-rolling capacity by around 45 per cent from the existing 2,75,000 mt to around 4,00,000 mt.

"The company plans to invest Rs 150 crore in expansion and modernisation, which will be met through a mix of debt and equity.

The company is hopeful of 15 per cent compounded annual growth rate (CAGR) and increasing its exports from 10 per cent to a significant level mainly to European markets," JSHL Director A K Gupta said.

Jindal said that as part innovation, JSHL has come up with high-quality stainless steel for the growing nuclear sector and is currently running trials to develop special grade of stainless steel for various defence applications.

JSHL is the largest producer of stainless steel in the country with an annual capacity of 8 lakh million tonne per annum.—PTI

Jindal Stainless arm to list on Thursday

Jindal Stainless (Hisar), an arm of Jindal Stainless, will get listed on the exchanges on Thursday following a demerger. The Jindal Stainless board had approved demerging the company into two listed and two unlisted entities and issued one Jindal Stainless (Hisar) share for every one share held in Jindal Stainless. The company had then claimed that the demerger was implemented for debt reduction and to unlock value for shareholders.

स्टेनलेस स्टील उद्योग पर न लगे आयात का जंग

अदिति देवेकर
मुंबई, 31 जनवरी

पिछले महीने स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड चपटे उत्पादों के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क के बाद अब घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग कुछ उत्पादों पर एंटी सर्कम्वेंशन शुल्क की मांग कर रहा है। इसके लिए उद्योग वाणिज्य मंत्रालय में अपनी दरख्वास्त भी कर चुका है।

जिंदल स्टेनलेस (हिसार) के मुख्य वित्त अधिकारी अंकुर अग्रवाल ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'हाल ही में 600-1250 मिलीमीटर वाले कोल्ड रोल्ड चपटे उत्पादों पर शुल्क लगाया गया है। लेकिन निर्यातक देश 1250 मिलीमीटर से ज्यादा वाले कोल्ड रोल्ड के चपटे उत्पाद भेजकर इस शुल्क से बच रहे हैं। इस कारण एंटी डंपिंग शुल्क किसी भी तरह से स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए मददगार नहीं रहा है।'

अग्रवाल पिछले सप्ताह यहां आयोजित 'बेल रिंगिंग' समारोह के मौके पर बोल रहे थे। जिंदल स्टेनलेस (हिसार) ने नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर व्यापार की शुरुआत की है।

पिछले महीने केंद्र ने पांच सालों के लिए स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड चपटे उत्पादों के आयात पर पांच से 57 प्रतिशत के दरम्यान एंटी डंपिंग शुल्क लगाया था। एक अधिसूचना में केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा है कि यूरोपीय संघ के अलावा, चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, दक्षिणी अफ्रीका, थाईलैंड और ताइवान पर यह शुल्क लगाया गया है।

सबसे ज्यादा शुल्क 57.39 प्रतिशत चीन के स्टील आयात पर लगाया गया है। इसके बाद यूरोपीय संघ पर 52.56 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। थाईलैंड के आयात पर सबसे कम 4.58 प्रतिशत का शुल्क लगाया गया है। दुनिया का सबसे बड़ा जिंस उपभोक्ता और विनिर्माता चीन अधिकाधिक आपूर्ति से दुनियाभर में विभिन्न प्रकार की श्रेणियों में स्टील की डंपिंग करता रहा है। शायद यही वह बड़ी वजह है कि चीन पर सबसे ज्यादा एंटी डंपिंग शुल्क लगा है।

अग्रवाल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय की प्रारंभिक जांच चल रही है। हमें नहीं पता कि नतीजा कब तक सामने आएगा, लेकिन उद्योग को हुए नुकसान की पूरी तौर पर जांच करने में कम से कम 30-40 दिन का वक्त तो लगेगा ही। जिंदल स्टेनलेस (हिसार) के अलावा सरकार की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड चपटे उत्पादों की विनिर्माता है। स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड चपटे उत्पादों में बड़े स्तर पर असंगठित क्षेत्र भी शामिल है।

सूचीबद्धता के मौके पर जिंदल स्टेनलेस हिसार के उपाध्यक्ष अभ्युदय जिंदल को स्मृति चिन्ह प्रदान करते एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी रवि वाराणसी.

जिंदल स्टेनलेस हिसार हुई सूचीबद्ध

मुंबई, व्या.प्र. इस्पात निर्माता जिंदल स्टेनलेस (हिसार) लिमिटेड बीएसई और एनएसई में भी सूचीबद्ध हो गई है. कंपनी ने कहा है कि वह कोल्ड-रोल्ड कॉयल उत्पाद क्षमता के विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपए का निवेश करेगी. कंपनी के उपाध्यक्ष अभ्युदय जिंदल ने शेयर के सूचीबद्ध होने के मौके पर यहां बाजार में पारंपरिक घंटा बजाया. जिंदल ने कहा कि अपनी स्थापना से लेकर अब तक जिंदल स्टेनलेस बेहतर वित्तीय एवं परिचालनात्मक प्रदर्शन कर रही है.